मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य फल्ता में विक्रम सोलर प्रा. लि. के सोलर पीवी मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन करते हुए। साथ में हैं राज्य के सूचना, तकनीकी मंत्री देवेश दास, डब्ल्यूजीईडीसीएल के प्रबंध निदेशक एस.पी. गन चौधरी, विक्रम सोलर प्रा. लि. के चेयरमैन एच.के. चौधरी एवं अन्य। – विश्वमित्र

सौर ऊर्जा को बढ़ावा ही विकल्प : बुद्धदेव

फल्ता (दक्षिण २४ परगना), १० मार्च (नि.प्र.)। विश्व में बढ़ते पर्यावरण संकट के मद्देनजर हमें सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। वर्तमान समय में ९५% बिजली थर्मल पावर से पैदा होती है। किन्तु कम होते प्राकृतिक संसाधनों को देखते हुए सौर ऊर्जा के उत्पादन पर जोर देना होगा। हमारी कोशिश है कि और भी कंपनियां इसके लिए आगे आयें। यह बात मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने आज फल्ता विशेष आर्थिक क्षेत्र में विक्रम सोलर प्रा. लि. के सोलर पीवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खुशी की बात है कि कंपनी इस संयंत्र में अत्याधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल

फल्ता में विक्रम ग्रुप के २५ मेगावाट क्षमता वाले विद्युत संयंत्र का उद्घाटन

कर रही है। राज्य के सूचना तकनीकी मंत्री देवेश दास ने कहा कि अभी देश में ८०० मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन होता है। पश्चिम बंगाल का इसमें हिस्सा २०% है। वर्ष २०२२ तक देश में इसे बढ़ाकर २० हजार मेगावाट करने का लक्ष्य है। इसके तहत राज्य सरकार अंडाल में १०० एकड़ क्षेत्र में सोलर वैली प्लांट बनायेगी। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में राज्य में १० कंपनियों ने निवेश किया है, ६ में उत्पादन शुरू हो गया है। वेस्ट बंगाल ग्रीन एनर्जी डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. के प्रबंध निदेशक एस.पी. गन चौधरी ने कहा कि राज्य में १६० मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। अगले २ वर्ष में ४ कंपनियां १००० करोड़ रुपये निवेश करने जा रही हैं।

विक्रम सोलर प्रा. लि. के चेयरमैन एच.के. चौधरी ने मुख्यमंथी तथा अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस परियोजना में १०० करोड़ रुपये निवेश किया गया है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता २५ मेगावाट होगी। इस वर्ष के मध्य तक क्षमता बढ़ाकर ५० मेगावाट किया जाएगा। कंपनी में फिलहाल १०० लोगों को रोजगार मिला है। पूर्ण क्षमता विस्तारीकरण के बाद प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष ८०० से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना वेफर एंड सेल मैन्युफैक्चरिंग की है, जिसमें ५०० करोड़ की पूंजी लगायी जाएगी। कंपनी जर्मनी में भी अपनी पहचान बना चुकी है।